

### REFERENCE TO THE PROBLEMS BEING FACED BY THE MATCH INDUSTRY

SHRI R. RAMAKRISHNAN (Tamil Nadu): Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to make a special mention to the House and draw the attention of the Government to a very grave crisis which is now enveloping the match industry. Ninety per cent of the match producing units are situated in Tamil Nadu. In the *Hindu* of the 30th July, 1980, there was a report that hundreds of tiny match units in and around Kovilpatti had been closed and that the situation was very much the same in Sattur, Sivakasi and Srivilliputhur, causing unemployment for about 66,000 of artisans employed in this very important industry. Sir, this is because of the new Excise regulations brought in by the Government during the recent Budget that differential rates of Excise duty have been prescribed for the machine-made sector, the middle sector and the tiny sector. They have also imposed certain restrictions saying that the tiny sector can only market their products through the Khadi and Village Industries Commission. Obviously the Government has not made available adequate facilities for infrastructure. So matches worth Rs. 50 lakhs which have been purchased by the KVIC have not been paid for and matches worth Rs. one crore or so are lying. It is a very dangerous thing. Matches should be sold as fast as possible. Recently the Chairman of the KVIC himself gave an assurance about it. While it was urged to him that the matter should be looked into, he said that it was due to transitional difficulties in the matter of putting into effect the Excise concessions available to the cottage match sector. Sir, the Government should take care to see that when they bring in all these regulations proper arrangements are made. Not only this. The Government's avowed

policy is to get rid of the multi-nationals. Today WIMCO, which started production about 50 years back with an investment of just one or two lakhs of rupees, is repatriating crores of rupees to Sweden in one form or the other. Then they want to import machinery, spares and other things. Unfortunately for India and fortunately for many corrupt officials, both in and out of the Government, WIMCO is manipulating it with the bureaucrats. They do not even require the politicians.

2 P.M.

They only require bureaucrats so that WIMCO is encouraged. However, the policy of the Government is to get rid of the multinationals. The Government can give statistics of the malpractices. WIMCO is indulging in.

Coming to the point, WIMCO buys matches from the tiny sector keeps them in moisture for two to three days and markets them so that they become bad. The Government should pay some attention to these things. They should see that the match units which have been closed, are reopened.

**श्री उपसभापति :** अब श्री माथुर अपना स्पेशियल मेशन करेंगे ।

**श्री सदाशिव बागाईतकर (महाराष्ट्र) :** श्रीमन् मैं एक निवेदन करना चाहता हूँ । माथुर साहब का जो स्पेशियल मेशन है उस विषय पर हम लोगों ने कालिंग एटेंशन नोटिस दिया हुआ है ... (Interruptions)

**श्री उपसभापति :** ठीक है, कालिंग एटेंशन नोटिस भी नियमानुसार ही होगा ।

**श्री सदाशिव बागाईतकर :** श्रीमन् मैं एक बात आपके सामने रखना चाहता हूँ । हमने कर्नाटक की घटनाओं को लेकर एक कालिंग एटेंशन नोटिस दिया और श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी ने इसी विषय पर एक स्पेशियल मेशन किया । बाद में यह कहा गया

[श्री सदाशिव बागाईतकर]

कि चूंकि इस विषय पर स्पेशियल मेशन हो गया है, इसलिए कॉलिंग एटेंशन नोटिस स्वीकार नहीं हो सकता है। इसलिए मेरा कहना यह है कि डगलस कम्पनी का मामला बहुत सोरियस है। इसमें पार्लियामेंट का भी जिक्र है . . . . .  
(Interruptions) He was paid to keep Parliament mum.

**श्री उपसभापति :** आप उनको स्पेशियल मेशन करने दीजिए। कॉलिंग नोटिस पर निर्णय वाद में हो जाएगा।

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश):** श्रीमन्, मेरा पाइन्ट आफ आर्डर है। यह डगलस कम्पनी का मामला बड़ा गम्भीर है . . . . .  
(Interruptions)

**श्री उपसभापति :** यह कोई पाइन्ट आफ आर्डर नहीं है।

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :** श्रीमन्, यह बड़ा गम्भीर मामला है, इसमें मजाक करने की कोई बात नहीं है।

**श्री उपसभापति :** मजाक आप करते होंगे, हम कोई मजाक नहीं करते हैं . . .  
(Interruptions) अगर आपने कोई कॉलिंग एटेंशन नोटिस दिया है तो चेयरमैन साहब इस पर विचार कर रहे होंगे . . .  
(Interruptions) आपको कहा गया है कि हम इस पर विचार कर रहे हैं।

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :** हमारा कहना यह है कि यह न हो कि अगर स्पेशियल मेशन हो गया है तो कॉलिंग एटेंशन नहीं होगा . . .  
(Interruptions) श्रीमन्, आप चेयरमैन साहब को डेपुटाइज करते हैं। इसलिए आप इन बातों को नजरअन्दाज न करें। इस बात को ध्यान में रखें कि स्पेशियल मेशन होने के साथ-साथ इस विषय पर कॉलिंग एटेंशन नोटिस भी मंजूर किया जाये।

**श्री उपसभापति :** पहले आप स्पेशियल मेशन तो होने दीजिये। मैंने बताया है कि इस विषय पर कॉलिंग एटेंशन नोटिस चेयरमैन साहब के विचाराधीन है।

**श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :** श्रीमन्, अभी परिस्थिति ऐसी बदल गई है कि अगर स्पेशियल मेशन हो जाता है तो फिर कॉलिंग एटेंशन नोटिस स्वीकार नहीं किया जाता है। इसलिए मैं ये बातें निवेदन कर रहा हूं।

**श्री उपसभापति :** इस विषय पर चेयरमैन साहब से बात कर लेंगे।

REFERENCE TO THE ALLEGED  
ILLEGAL PAYMENT TO AN AIRLINES  
OFFICIAL IN INDIA BY MCDONNELL  
DOUGLAS CORPORATION OF THE  
UNITED STATES TO PREVENT  
INDIAN PARLIAMENT FROM  
CENSURING THE SAID COMPANY.

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश):** श्रीमन्, श्री शाही जी ने और श्री बागाईतकर जी ने जो बातें कही हैं वे बिल्कुल सही हैं। यह विषय ऐसे महत्व का है कि इस पर सदन में पूरी चर्चा होनी चाहिए। कॉलिंग एटेंशन नोटिस के लिए मैंने भी इस पर हस्ताक्षर किये हैं। इसलिये मैं निवेदन करना चाहूंगा कि इस विषय पर स्पेशियल मेशन होने के बाद कॉलिंग एटेंशन भी होने दिया जाये तो अच्छा होगा क्योंकि यह बड़ा गम्भीर विषय है।

श्रीमन्, मैं एक अन्यन्त गम्भीर विषय के ऊपर सदन और सरकार का ध्यान आकषित करना चाहता हूं। आज के इंडियन एक्सप्रेस में एक समाचार छपा है जो कि पहले "वाल स्ट्रीट जनरल" में छप चुका है। उसमें यह आरोप लगाया गया है कि मकडोनल डगलस कम्पनी ने किसी एक आदमी को छोटी-मोटी नहीं वन हन्ड्रेड थाउजेन्ड डालर्स की रिश्वत